भाजपा मंडल अध्यक्ष के पति बेच रहे अवैध शराब

स्वयं के मकान पर देशी शराब की पेटी रखकर करते हैं धंधा

शराब विक्रय करने का वीडियो भी आया सामने

(आमिर खान)

टीकमगढ़ 23 अगस्त. मध्यप्रदेश की फायर ब्रांड नेत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती भले ही प्रदेश में शराबबंदी को लेकर तमाम तरह की ब्यानबाजी कर लें या फिर अभियान छेड़ने की बात करें, लेकिन उनके ही गृह जिले में उनकी ही पार्टी से जुड़े नेताओं के घरों पर अवैध शराब बिक्री का खेल जमकर चल रहा है। मामला बुड़ेरा क्षेत्र का बताया जा रहा है। जहां मंडल अध्यक्ष के पति द्वारा अवैध शराब अपने निज निवास से बेची जा रही है। इस पर कार्यवाही इसलिए नहीं हो रही क्योंकि शराब बेचने वाला व्यक्ति कोई आम नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी की मंडल अध्यक्ष का पति है।

दरअसल पूरा मामला बुड़ेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम नन्हीं टेहरी का बताया जा रहा है। बताया गया है कि नन्हीं टेहरी में भारतीय जनता पार्टी की बुड़ेरा मंडल अध्यक्ष रामा रजक का मकान है। यहां से ही उनके पति लल्लू रजक अवैध शराब विक्रय का कार्य कर रहे हैं। इस पूरी शराब विक्रय का वीडियो भी सामने आ चुका है।

वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि वह एक स्थान पर अवैध शराब के क्वाटर की पेटी को रखे हुए हैं। लल्लू रजक द्वारा घर के अंदर से अवैध शराब बेची जा रही है। वीडियो में यह भी दिखाई दे रहा है कि वह एक हाथ से पैसे लेकर दूसरे हाथ से शराब की बोतल किसी व्यक्ति को दे रहे हैं। हालांकि नवभारत इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता। रामा रजक ने पिछले दिनों यह आवेदन दिया था कि उनके क्षेत्र में शराबबंदी हो, लेकिन अब उनके ही पति का अवैध शराब बेचते हुए वीडियो सामने आया है। वीडियो सामने आते ही इस क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं में तमाम तरह की चर्चाएं व्याप्त है। कई भाजपाईयों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया है कि जब से यह मंडल अध्यक्ष बनी है, तभी से यहां अवैध गतिविधियां बढ़ी है। पर इस ओर ध्यान देने वाला कोई नहीं है। दबी जुबान से भाजपाई कहते हैं कि रामा रजक के सरंक्षण के चलते उनके पति अवैध शराब बेच रहे हैं। पुलिस इन पर हाथ नहीं डाल पा रही क्योंकि वह सत्तारूढ़ पार्टी की मंडल अध्यक्ष हैं।

> इस मामले में भारतीय जनता पार्टी की जिलाध्यक्ष सरोज राजपूत से बात करना चाही तो उनसे संपर्क नहीं हो पाया। हालांकि उम्मीद है कि खबर को देखने के बाद वह इस ओर जरूर ध्यान देंगी क्योंकि उनकी ही सरकार नशे के विरूद्ध तमाम अभियान चला रही है और उन अभियानों का वह भी हिस्सा बनती हैं। पर यहां सवाल यही है कि मंडल अध्यक्ष भी ऐसे कार्यक्रमों में शामिल होती हैं जहां नशे से दूर रहने का डंका पीटा जाता है। समाज के लोगों ऐसे नेता बहुत सारी बातें करके नशे से दूर रहने का पैगाम देते हैं पर जब उनके ही परिजन या उनके अपने ऐसे कृत्य करें तो उनका वह क्यों नहीं सुधार पाते। ऐसा ही हाल रामा रजक का है जो मंडल अध्यक्ष होने के बाद संगठन का काम करती हैं और दलीलें देती हैं कि नशे से दूर रहना चाहिए पर अपने ही पति से घर के अंदर से शराब बिकवाना कहां तक उचित है यह सवाल तो खड़ा होता ही है। अब देखना यह होगा कि इस पूरे मामले पर भारतीय जनता पार्टी संगठन का क्या कार्यवाही करता हैं क्योंकि उनकी मंडल अध्यक्ष के संरक्षण में हो रहे कार्य उजागर होने लगे हैं।

पं. प्रदीप मिश्रा के खिलाफ याचिका दायर

- **इंदौर के वकील प्रकाश यादव ने लगाई है कोर्ट में याचिका**
- **आयोजनों में अव्यवस्थाओं को लेकर लगी है याचिका**

नवभारत न्यूज

सीहोर. कुबरेश्वर धाम में होने वाले कार्यक्रमों में हमेशा बड़ी घटनाएं हो जाती हैं. हाल ही में निकली कावड़ यात्रा में सात लोगों की मौत हो गई थी. पुलिस ने समिति पर कोई कार्रवाई नहीं की है. इंदौर के वकील प्रकाश यादव ने पहले मंडी थाना पुलिस में शिकायत पत्र दिया था लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई जो अब जिला न्यायालय में याचिका लगाई है. जिसके बाद न्यायालय ने मंडी थाना पुलिस को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा है. अगली सुनवाई 13 सितंबर को है.

जिला मुख्यालय के लगभग 11 किलोमीटर दूर स्थित कुबरेश्वर धाम में कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा समय-समय पर बड़े धार्मिक कार्यक्रम

कुबरेश्वर धाम में आयोजित किए जाते हैं.

इस दौरान होने वाली घटनाओं को लेकर अब आवाज उठने लगी है. बताया गया है की कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कभी भगदड़, धक्का मुक्की तो अज्ञात कारणों से लोगों की मौत हो जाती है. हाईवे पर कई बार लंबा जाम लगता है. ऐसे अनेक कारणों को लेकर एडवोकेट प्रकाश यादव ने कोर्ट में याचिका दाखिल की है.

> मामले में कोर्ट ने मंडी थाना पुलिस को जांच प्रतिवेदन देने को कहा है अगली सुनवाई 13 सितंबर को है. उल्लेखनीय है कि इस माह धाम में बड़ा धार्मिक आयोजन हुआ था और सीवन नदी से कुबेरेश्वर धाम तक कावड़ यात्रा निकाली गई थी, इस दौरान तीन दिन में सात लोगों की अलग अलग कारणों से मौत हो गई थी और पुलिस ने डीजे संचालकों पर मामला दर्ज किया था. एड. प्रकाश यादव द्वारा न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी सीहोर के न्यायालय में दाखिल याचिका में पंडित प्रदीप मिश्रा और विटलेश सेवा समिति को विभिन्न धाराओं में आरोपी बनाने की मांग की गई है.

अवैध होर्डिंग हटाने नपा कर रही सर्वे

शहर की सुंदरता को भी लगा रहे ग्रहण

बड़े-बड़े होर्डिंग और फ्लैक्स से रहता है हादसों का खतरा

नवभारत न्यूज

बैतूल, 23 अगस्त. नगरपालिका ने सर्वे करवाकर शहर में अवैध होर्डिंग चिन्हित किए हैं। शहर में सरकारी और प्राइवेट जमीनों पर लोगों ने होर्डिंग लगाए हैं, इन होर्डिंग को हटवाने के लिए नगरपालिका ने संचालकों को नोटिस देकर एक सप्ताह की मोहलत दी है। नहीं तो नगरपालिका शहर के इन सभी होर्डिंग को जेसीबी से तोड़कर हटवाएगी।

दरअसल शहर में नियमों को ताक पर रखकर चौक-चौराहों और भवनों पर बडे-बड़े होल्डिंग और फ्लैक्स लगाकर संस्थाएं अपना प्रचार-प्रसार कर रही है। इन्हें लगाने के लिए अधिकांश लोगों ने तो अनुमति तक नहीं ली है। जिससे नगरपालिका को राजस्व का नुकसान भी हो रहा है। ऊपर से होर्डिंस को देखकर लगता है कि जैसे यह अब गिरने ही वाला है। जिससे राहगीरों को भी खतरा बना हुआ है। ऊपर से शहर में मनमाने ढंग से होर्डिंग्स-फ्लैक्स लगे है, जो न सिर्फ शहर की सुंदरता को ग्रहण लगा रहे है, बल्कि भविष्य में हादसों का कारण भी बन सकते है। हालांकि नगरपालिका ने लगभग 6 माह पहले शहर में खतरनाक होर्डिंग हटाने के लिए कार्रवाई की थी, लेकिन अब अधिकांश जगह हालात जस के तस हो गए है।

पुराने होर्डिंग संचालकों पर 7 लाख बकाया : प्राप्त जानकारी के अनुसार पुराने होर्डिंग संचालकों की राशि जमा करवाने भी प्रयास किए जा रहे हैं। पुराने होर्डिंग संचालकों की 7 लाख की राशि जो नपा में राजस्व के रूप में जमा की जानी है.

23 लाख में हुआ है होर्डिंग का ठेका

नगरपालिका ने हाल ही में शहर में 91 स्थानों पर होर्डिंग का ठेका 23 लाख में दिया है। इसके बाद नए सिरे से शहर में होर्डिंग लगाने का काम शुरू किया जाना है। लेकिन शहर में अधिकांश जगहों पर लगे पुराने अवैध होर्डिंग लगे हैं। नगरपालिका के सर्वे में 120 अवैध होर्डिंग सामने आए, इनमें से लगभग 50 होर्डिंग प्राइवेट जमीनों पर लगे हैं। बाजार और भीड़ वाले क्षेत्रों में लगे बड़े-बड़े होडिंग, फ्लैक्स बारिश में चलने वाली तेज हवाओं से खतरा बनते जा रहे है। लोगों का कहना है इस मौसम में तेज हवा, अंधड़ भी चलती है। यदि होर्डिस टूटकर गिरे तो लोगों को चोटिल भी कर सकते है। किन्तु नगरपालिका होर्डिंग्स पर कार्रवाई नहीं कर रहा है।

> शहर में अवैध होर्डिंग चिन्हित किए जा रहे है जो निजी और सरकारी जमीनों पर लगाए गए हैं और अवैध है। इन अवैध होर्डिंग को हटवाने के नोटिस जारी किए हैं और एक सप्ताह बाद पूरे शहर से इन्हें हटवाने की कार्रवाई शुरू की जाएगी।
>
> **- ब्रजगोपाल परते,** वरिष्ठ राजस्व अधिकारी, नपा बैतूल

6 महीने पहले हटाए थे होर्डिंग

शहर के बस स्टैंड, कोठी बाजार समेत अन्य क्षेत्रों में से खतरनाक होर्डिंग चिन्हित करके हटवाने की कार्रवाही की गई थी। बस स्टैंड क्षेत्र में सभी होर्डिंग, जो खतरनाक ढंग से लगाए गए थे, उन्हें हटाया गया था, लेकिन कुछ समय बाद दोबारा होर्डिंग लगने लगे और नपा द्वारा इनके विरूद्व कोई कार्यवाही नहीं की गई। यहां उल्लेखनीय है कि शहर की 91 लोकेशन पर होर्डिंग लगाने का तीन साल के लिए ठेका 23 लाख में दिया गया है। जानकार बताते है कि अब निजी जमीनों और भवन पर होर्डिंग्स लगाने के लिए मप्र आउटडोर विज्ञापन मीडिया नियम 2017 के तहत नियमानुसार निर्धारित प्रारूप में आवेदन कर अनुमति लेने पर ही आगे प्रक्रिया की जाएगी। यह अनुमति निकाय में प्राप्त उच्चतम ऑफर दर में 5 प्रतिशत वृद्धि के आधार पर दी जाएगी।

थाने में धरने को लेकर 16 कांग्रेसी पर केस दर्ज

बैतूल, 23 अगस्त. बैतूल जिला कांग्रेस अध्यक्ष निलय डागा के स्वागत के दौरान कारगिल चौक पर पार्टी का झंडा लगाने से हुआ विवाद अब और बढ़ गया है। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने श्री डागा समेत 16 कांग्रेसियों पर सरकारी काम में रुकावट डालने का केस दर्ज किया है।

दरअसल, 18 अगस्त को जिला कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार बैतूल पहुंचे श्री डागा का जोरदार स्वागत किया गया था। जगह-जगह स्वागत द्वार और झंडे लगाए गए थे। इसी दौरान कारगिल चौक पर कांग्रेस का झंडा लगाने को लेकर भाजपा नेता सतीश बड़ोनिया और शहर कांग्रेस अध्यक्ष मोनू बड़ोनिया व पार्षद उमाशंकर दीवान के बीच बहस हो गई। आरोप है कि झगड़े में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेता के साथ मारपीट भी की।

इसके बाद भाजपा नेताओं ने कोतवाली थाने जाकर विरोध जताया और पुलिस ने मोनू बड़ोनिया व उमाशंकर दीवान पर केस दर्ज कर लिया। इसकी खबर लगते ही जिला कांग्रेस अध्यक्ष डागा, कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ कोतवाली थाने पहुंच गए और मुख्य द्वार पर करीब तीन घंटे तक धरना दिया। उन्होंने भाजपा नेता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। कांग्रेस नेताओं का आरोप था कि भाजपा नेता ने कारगिल चौक स्मारक से सरकारी झंडा हटाया है।

हालांकि बाद में एसडीओपी ने उन्हें सीसीटीवी फुटेज दिखाया, जिसमें साफ हुआ कि बड़ोनिया ने सरकारी नहीं बल्कि कांग्रेस का झंडा हटाया था। इसके बाद रात 10 बजे धरना खत्म कर दिया गया। गुरुवार को कोतवाली पुलिस ने श्री डागा, मोनू बड़ोनिया, बब्बा राठौर समेत 16 कांग्रेसियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। इधर श्री डागा ने इस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस को दबाने और जनता की आवाज को खत्म करने की कोशिश की जा रही है।

अनियमितता पाए जाने पर मेडिकल को किया सील

नवभारत न्यूज

सीहोर 23 अगस्त. मेडिकल स्टोर से विक्रय होने वाले वाली दवाओं एवं मेडिकल दुकानों पर अनियमितताओं की रोकथाम के उद्देश्य से निरीक्षण दल द्वारा गत दिवस जिले के ग्राम बकतरा क्षेत्र स्थित मेडिकल दुकानों का निरीक्षण किया गया.

निरीक्षण दल द्वारा आराध्य मेडिकल, उपकार मेडिकल, नैतिक मेडिकल, शिवांगी मेडिकल, सुहानी मेडिकल एवं न्यू सौम्या मेडिकल दुकानों का निरीक्षण किया गया.

निरीक्षण के दौरान जांच दल द्वारा मेडिकल दुकानों में साफ-सफाई, दवाओं के क्रय-विक्रय रिकॉर्ड, एक्सपायर्ड दवाओं का रख-रखाव तथा प्रतिबंधित दवाओं के विक्रय आदि की जांच की गई. जांच के दौरान नैतिक मेडिकल स्टोर द्वारा क्रय विक्रय की जानकारी सहित वैद्य दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए. जानकारी नहीं देने पर इस मेडिकल दुकान को सील कर दिया गया है. टीम द्वारा कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी.

सीएमएचओ के सामने मरीजों ने किया विरोध प्रदर्शन

सरकारी अस्पताल के डॉक्टर सरकारी दवाएं न देकर मेडिकल स्टोर से लिखते हैं हजारों रुपयों की दवाएं, अधिकारी वापस लौटे

नवभारत न्यूज

शाहगढ़ 23 अगस्त. अवैध रूप से संचालित डॉक्टरों की दुकानों पर कार्यवाही करने सीएमएचओ ममता तिमोरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहगढ़ पहुंची.

इस दौरान सीएमएचओ ममता तिमोरी, ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर एस.के मनकेले सहित मेडिकल टीम को लेकर नगर में अवैध रूप से संचालित डॉक्टरों की दुकानों की जांच करने निकली ही थी कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से कुछ ही दूरी पर अंबेडकर चौराहे के पास संचालित एक क्लीनिक पर पहुंची. जहां इलाज कर रहे डॉक्टर से क्लीनिक का रजिस्ट्रेशन मांगा तभी डॉक्टर की क्लीनिक पर इलाज के लिए आये मरीजों एवं

उनके परिजनों ने मेडिकल जांच टीम का विरोध करना शुरू कर दिया. लोगो ने आरोप लगाया कि सरकारी अस्पताल के डॉक्टर सरकारी दवाइयां न देकर मेडिकल स्टोर से हजारों रुपये की दवाइयां लिखकर इलाज करते है, उसके बाद भी मरीज को लाभ नही मिलता, जिससे निजी अस्पतालों में इलाज कराने को मजबूर है. विरोध देखकर सीएमएचओ दल के साथ वापिस लौट गई एवं अवैध डॉक्टरों पर कार्यवाही करने के लिए तहसीलदार जीसी राय के साथ बीएमओ सहित मेडिकल टीम को भेजा लेकिन तब तक जांच टीम होने की खबर से ताले लग गए थे.

निजी डॉक्टरों के पास नहीं मिला रजिस्ट्रेशन

मिली जानकारी के अनुसार तहसीलदार जीसी राय एवं मेडिकल टीम शाहगढ़ के डॉक्टरों की दुकानों पर पहुंचे लेकिन शाहगढ़ में संचालित दर्जनों अवैध डॉक्टरों की दुकानें बंद मिली. हालांकि बाद में सीएमएचओ ने अंबेडकर चौराहे की क्लीनिक पर डबल ताला लगाकर कार्यवाही कर दी है. शाहगढ़ में मुख्य चिकित्सा अधिकारी की जांच टीम के आने से शाहगढ़ में संचालित दर्जनों डॉक्टरों की दुकानों के शटर बंद क्यो हो गए. यह सवाल शाहगढ़ के लोगो के मन में है कि शाहगढ़ में एक भी निजी डॉक्टर के पास क्लीनिक चलाने का रजिस्ट्रेशन नही है. आखिर इतना बड़ा खिलवाड़ लोगो की जान से क्यों शासन-प्रशासन द्वारा किया जा रहा है. इस मामले में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ममता तिमोरी ने बताया कि शाहगढ़ में शायद दो डिस्पेंसरी वैध है, बाकी किसी के पास रजिस्ट्रेशन नही है. तो फिर सवाल वहीं खड़ा होता है कि विगत माह जिला कलेक्टर द्वारा शाहगढ़ में निजी डॉक्टरों की डिग्री एवं रजिस्ट्रेशन की जांच करने बनाई गई टीम ने दर्जनों डॉक्टरों की डिग्री की जांच करने के बाद कार्यवाही क्यों नही की यह भी लोगो के मन मे आज एक सवाल है कि कब तक भ्रष्टाचार में लिप्त सिस्टम लोगो की जान से खिलवाड़ करता रहेगा .

पंचायत मंत्री श्री पटेल आज देवरी आएगे

सागर. पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल 24 अगस्त रविवार को रानी अवंतीबाई लोधी जी की जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे. वे दोपहर 12.30 बजे सैनिक सोसाइटी, शक्ति नगर, जबलपुर से प्रस्थान कर दोपहर 2 बजे कृषि उपज मंडी, देवरी पहुंचेंगे, जहां कार्यक्रम में भाग लेंगे.

जल सत्याग्रह पांचवें दिन भी जारी

नवभारत न्यूज

सीहोर 23 अगस्त. किसानों का जल सत्याग्रह पांचवें दिन भी जारी रहा. थाली बजाकर किसानों ने अपनी नाराजगी जताई और प्रशासन को चेताया कि जब तक फसल बीमा राशि का भुगतान नहीं होगा आंदोलन जारी रहेगा. सीवन नदी में किसान पानी में खड़े होकर अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं.

इस दौरान प्रशासनिक अमला और कृषि विभाग के अधिकारी शनिवार को सीवन नदी पहुंचे और किसानों की बात सुनी. अधिकारी खुद पानी में उतरकर किसानों के बीच गए और ज्ञापन लिया. कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी कमल सिंह ठाकुर ने किसानों को भरोसा दिलाया कि उनकी मांग शासन तक पहुंचाई जाएगी.

किसानों का कहना है कि विगत पांच वर्षों से खराब हुई सोयाबीन व अन्य फसलों का बीमा उन्हें नहीं मिला. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की घोषणा हुई थी. प्रधानमंत्री ने कहा था कि किसान का नुकसान प्राकृतिक आपदा से होता है तो अकेले किसान को ही फसल बीमा योजना का लाभ मिलेगा.

करोड़ों की सड़क के पेंचवर्क ने भी दम तोड़ा

सीहोर 23 अगस्त. भारी भरकम लागत से सीहोर से श्यामपुर तक प्रदेश की पहली एफडीआर तकनीक से बनी सड़क एक साल में ही गहरे गडढों में बदल गई है. सड़क में गडढे ही गडढे हैं, इन्हें भरने के लिए पेंचवर्क भी कराया गया, लेकिन वह भी इतना घटिया था कि बारिश भी नहीं झेल पाया और उखड़ गया.

अब सड़क पर आवागमन करना वाहन चालकों के लिए बहुत मुश्किल हो रहा है. रोजाना दुपहिया वाहन चालक गिरकर गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं. सड़क निर्माण के समय इस एफडीआर तकनीक का खूब प्रचार किया गया और विभाग ने दावा किया था कि दस साल तक सड़क का कुछ नहीं बिगड़ेगा, लेकिन ठेकेदार, अफसर और जनप्रतिनिधियों के गठबंधन के परिणामस्वरूप सड़क का घटिया निर्माण किया गया जो वर्तमान में पूरी तरह बर्बाद हो गया है. सीहोर मुख्यालय को श्यामपुर से जोड़ने वाली सड़क का निर्माण एफडीआर तकनीक से किया गया था. इस सडक का निर्माण गत वर्ष 2023 में ही पूरा किया गया है. करीब 30 करोड़ रुपए की लागत से 24 किलोमीटर सडक बनाई गई. सड़क निर्माण को अभी दो साल भी नहीं हुए और सड़क में सैंकड़ों गडढे हो गए हैं. इससे साफ पता चलता है कि सड़क निर्माण में अफसरों और नेताओं ने किस कदर कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार का लंबा खेल खेला है. बारिश के पहले इस एफडीआर तकनीक वाली सड़क में पेंकवर्क किया गया, लेकिन वह इतना घटिया था कि सड़क में फिर बडे बड़े गडढे हो गए.

ठगी करने वाला एक व्यापारी पुलिस की गिरफ्त में दूसरा आरोपी फरार

विदिशा, 23 अगस्त. गल्ला मंडी विदिशा के व्यापारी द्वारा एक व्यापारी द्वारा दूसरे व्यापारी को गुमराह करने और धोखाधड़ी करने से संबंधित है.

38 लाख रुपये के लेन-देन में आरोपी व्यापारी फर्म सुरेंद्र कुमार जैन प्रोपराइटर सुभाष जैन एवं पुत्र सौरभ जैन के खिलाफ गंजबासौदा थाने में फॉर्म मां ट्रेडर्स गंजबासौदा ने एफ आई दर्ज कराई थी. पुलिस ने तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करते हुए आरोपी व्यापारी सुभाष जैन को विदिशा गल्ला मंडी से गिरफ्तार कर लिय. दूसरा आरोपी सौरभ जैन (अप्पु) मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और गुमराह करने के मामले में कार्रवाई की है. पुलिस ने आरोपी व्यापारी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच की जा रही है. पुलिस यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि आरोपियों को न्याय के दायरे में लाया जाए और व्यापारियों के हितों की रक्षा की जाए. इस तरह के मामलों में पुलिस की कार्रवाई से व्यापारियों में विश्वास और सुरक्षा की भावना बढ़ती है।

सीबीएमओ को गायब मिले डॉक्टर

नोटिस जारी : सलामतपुर अस्पताल का किया आकस्मिक निरीक्षण

नवभारत न्यूज़

सलामतपुर, 23 अगस्त. सांची सीबीएमओ ने शुक्रवार को सलामतपुर स्वास्थ्य केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया, जिसमें अस्पताल के डॉ. रामया सक्सेना बिना बताए अनुपस्थित मिले और मरीज परेशान होते हुए पाए गए.

सीबीएमओ डॉ रवि प्रकाश राठौर ने बताया कि काफी दिनों से सलामतपुर और दीवानगंज अस्पताल में डॉक्टरों के अनुपस्थित होने की शिकायतें मिल रही थीं. शुक्रवार को सलामतपुर स्वास्थ्य केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया तो डॉ. सक्सेना अस्पताल से बिना बताए अनुपस्थित मिले.

> जबकि वर्तमान में भारत सरकार के स्वास्थ्य विभाग का विशेष मिशन एनसीडी कार्यक्रम चल रहा है और डॉक्टर का इस तरह बिना बताए अस्पताल से गायब होना गंभीर लापरवाही दर्शाता है. डॉ. सक्सेना को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, जिसमें तीन के अंदर सिविल अस्पताल सांची में स्वयं उपस्थित होकर जवाब देना है. सीबीएमओ डॉ. राठौर ने कहा कि अभी स्वास्थ्य विभाग का एनसीडी कार्यक्रम का विशेष अभियान तीन तक चल रहा है. जिसमें बीपी, शुगर के मरीज चेकअप कराने आते हैं.

लापरवाही मात्र 7 विद्यार्थियों पर चार शिक्षक थे पदस्थ, दूसरे स्कूल में शिफ्ट

कन्या माध्यमिक शाला किला हमेशा के लिए बंद

बेगमगंज, 23 अगस्त. कभी नगर की कन्याओं के लिए अग्रणी रही शासकीय कन्या माध्यमिक शाला किला बेगमगंज (डाइस कोड 222839) पिछले 10 साल से फर्जी विद्यार्थियों के नाम दर्जकर शिक्षकों को नगरीय क्षेत्र में पदस्थ रखने के षड्यंत्र के चलते अब बंद हो गई है.

अपनी पदस्थापना नगरीय क्षेत्र में बरकरार रखने के कारण उनकी पोल खुलने पर अब वो खत्म हो गई है. जब भी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा शाला का निरीक्षण किया गया, तब नाममात्र के चार-पांच विद्यार्थी स्कूल में

मौजूद मिले. जिसे गंभीरता से लेते हुए ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वारा इस वर्ष उक्त स्कूल को बंद करने के लिए विभाग को प्रतिवेदन भेजकर बंद कर दिया और वहां के मात्र 7 विद्यार्थियों के नाम दूसरी शालाओं में दर्ज कराकर वहां समावेश करा दिया है. इसके साथ ही स्कूल में पदस्थ चारों शिक्षकों को भी दूसरे स्कूलों में अटैच किया गया है. सूत्रों के अनुसार गर्ल्स हॉयर सेकेंडरी स्कूल परिसर में लगने वाली शासकीय कन्या माध्यमिक शाला किला में आधा दर्जन शिक्षक पदस्थ रहे और विद्यार्थी मात्र 10 - 12 रहे. मोनोपोली के तहत शिक्षकों ने फर्जी विद्यार्थी के नाम उपस्थिति पंजी में दर्जकर रखे थे. जिसके कारण अब तक उक्त कामचोर शिक्षक वहां पदस्थ रहे, लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार आने के बाद उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों पर जब विशेष फोकस करके जांच करवाना शुरू कराया.

> जब-जब वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा शालाओं का निरीक्षण किया गया तब - तब नाम मात्र के विद्यार्थी उन्हें मिले हैं. शिक्षा विभाग के द्वारा नियम विरुद्ध एक स्कूल में कई - कई शिक्षक अतिरिक्त पदस्थ किए गए हैं. जिन्हें आज तक जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा किसी कारणवश नहीं हटाया गया है. दूसरी ओर ग्रामीण अंचल की शासकीय शालाओं में सैकड़ों विद्यार्थियों पर एक या दो शिक्षक पदस्थ हैं .

थाने से दो अधिकारी होंगे सम्मानित

आमला। मप्र के 53 जिले में से 80 पुलिस अधिकारियों को सम्मान के लिए चुना गया। जिसमें बैतूल जिले से दो अधिकारियों का चुना जाना जिले के लिए गौरव की बात है। बैतूल जिले के दो पुलिस अधिकारियों राजेश सातनकर एवं अमित पवार सहित मप्र के 80 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को डीजीपी डिस्क अवार्ड एवं प्रशस्ति पत्र के लिए चुना गया है।कैलाश मकवाना पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश द्वारा जारी पुलिस राजपत्र आदेश क्रमांक 1/2002 दिनांक 21/05/2002 में निहित प्रावधानों के तहत नवंबर 2024 के लिए आदेश जारी कर चयनित 80 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची जारी की है। पुलिस विभाग द्वारा उल्लेखनीय और आसाधारण कार्यों के लिए विभाग द्वारा समय समय पर विभिन्न सम्मान और पुरस्कार से अपने विभाग के पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को नवाजा जाता है।एक ऐसा ही सम्मान डीजीपी प्रशंसा पत्र और डिस्क अवार्ड पुलिस विभाग में उत्कृष्ट प्रदर्शन और कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए दिया जाता है.